सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 182 | जौनपुर, बुधवार, 19 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के कई इलाकों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अनुमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में कई जगह मंगलवार को बादल छाए रहने व कहीं–कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार 18 से 20 फरवरी के दौरान पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में कहीं–कहीं बादल छाए रहने तथा हल्की बारिश होने का अनुमान है। 18 फरवरी को भरतपुर, जयपुर व बीकानेर में कहीं–कहीं हल्की बारिश की संभावना है। वहीं 19 और 20 फरवरी को भरतपुर, जयपुर, कोटा, बीकानेर व जोधपुर में कहीं–कहीं हल्की बारिश हो सकती है। सोमवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 35.0 डिग्री सेल्सियस तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान संगरिया (हनुमानगढ़) में 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया राजधानी जयपुर में इस दौरान अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशरू 28.9 डिग्री व 17.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

'नक्शा' परियोजना के तहत राजस्थान की 10 नगरपालिकाओं के इलाकों का ड्रोन सर्वेक्षण होगा

राजस्थान, (एजेंसी)। प्रवक्ता के अनुसार, इस परियोजना की शुरुआत 18 फरवरी को होगी और राज्य स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा करेंगे। स्वायत्त शासन विभाग के आधिकारिक बयान के अनुसार 'डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन' कार्यक्रम के अंतर्गत 18 फरवरी को राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में 'नक्शा' परियोजना की शुरुआत होगी। राजस्थान सरकार ने इस परियोजना के लिए राज्य के 10 शहरों का चयन किया है। इसके तहत भिवाड़ी, किशनगढ़, ब्यावर, सवाईमाधोपुर, जैसलमेर, पुष्कर, बगरू, बहरोड़, नवलगढ़ और नाथद्वारा में नगरपालिका के सारे भूमि क्षेत्र का ड्रोन सर्वेक्षण द्वारा डिजिटल मैपिंग कर भूमि अधिकार अभिलेख का डिजिटलीकरण किया जाएगा। इससे भूमि संबंधी सूचनाओं को साझा करना और पारदर्शी बनाना आसान होगा। विभाग के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि नक्शा परियोजना से शहरी विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे शहरी क्षेत्रों में संपत्तियों का सटीक सीमांकन संभव होगा। उन्होंने कहा कि इस कवायद से सम्पत्ति के स्वामित्व की जानकारी भी रजिस्टर होंगी तथा भू संबंधी रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगे। इससे आमजन अपनी संपत्ति की जानकारी ऑनलाइन एक क्लिक में देख सकेंगे। सिंह ने कहा कि यह पहल भूमि विवादों को कम करने, संपत्ति के अधिकारों को सुनिश्चित करने और सुव्यवस्थित नगरीय विकास को गति देने में मददगार होगी।

हमारा अर्थशास्त्र, महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनका अर्थशास्त्र महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है। आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र से आये युवा उद्यमियों से संवाद कार्यक्रम में महाकुंभ पर उंगली उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा, ''महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा हमारा अर्थशास्त्र बेहतर है।'' उन्होंने उद्यमियों से पूछा कि अगर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा 7500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने से अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपयों की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है?' मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव के उस बयान के बाद आयी है जिसमें उन्होंने महाकुंभ को कथित तौर पर ''फालतू'' करार दिया था। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने वालों की संख्या अगर 60 करोड़ तक पहुंचती है तो उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सवा तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा, ''अयोध्या, प्रयागराज, काशी, चित्रकूट, गोरखपुर, नैमिषारण्य में बेहतरीन अवसंरचना है। अयोध्या में सड़क चौड़ीकरण, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम के दौरान यह लोग विरोध कर रहे थे, लेकिन जब सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति से निर्णय लिया तो परिणाम सामने है। एक वर्ष में श्री राम जन्म भूमि मंदिर में 700 करोड़ का चढ़ावा आया। इन लोगों (विपक्ष) को अब यह भी बुरा लगेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने मान लिया था कि आस्था में ताकत नहीं है, लिहाजा दुष्परिणाम भुगतना पड़ा। गुलामी के कालखंड में यह बात मन में डाली गई कि भारतीय को कमतर करके आंकों, उसे महत्वहीन कर दो। प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहली बार भारतवासियों को अहसास कराया कि देश से जुड़े जीवन मूल्यों, आस्था तथा उत्पाद को महत्व देकर हम स्वयं की महत्ता को बढ़ा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''दूसरों की उपलब्धियों के बजाय पूर्वजों की विरासत पर गौरव की अनुभूति करेंगे तो दुनिया को बहुत कुछ दे पाएंगे। आज प्रयागराज वही कर रहा है। प्रयागराज, काशी तथा अयोध्या ने अपनी क्षमता को उजागर किया। अनेक लोगों को रोजगार मिला तो कइयों की आमदनी बढ़ाने में भी मदद मिली।' आदित्यनाथ ने कहा, ''महाकुंभ में अब तक 53 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। अगले नौ दिन तक यह उत्सव इसी रूप में जारी रहेगा। यही भारत की क्षमता है। भारत की आस्था को यदि सम्मान दिया गया होता तो भारत और भी ऊंचाइयों पर होता।'' उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह प्रयागराज महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है। युवा भारत संस्था के तत्वावधान में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में मुंबई के औद्योगिक घरानों से जुड़े उद्यमी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ लोग रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्ष के अंदर पहली बार देश की आस्था को सम्मान प्राप्त हुआ है।

उत्तराखंड विस का बजट सत्र शुरू, राज्यपाल के अभिभाषण का विरोध

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र मंगलवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह के अभिभाषण से शुरू हो गया। अभिभाषण शुरू होते ही विपक्षी कांग्रेस विधायकों ने सत्र अवधि बढ़ाने के लिए नारेबाजी शुरू कर दी और वेल में आ गए है। इस मध्य, राज्यपाल का अभिभाषण जारी है। राज्यपाल ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड, देश का पहला राज्य है। इसमें प्रमुख रूप से महिला हितों की रक्षा की गई है। सत्र से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, विधायक खजान दास और पार्वती दास भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को हुई कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में 18 से 20 फरवरी तक सदन संचालन का मसौदा निश्चित किया गया। जिसमें राज्यपाल के अभिभाषण के बाद उस पर चर्चा और धन्यवाद प्रस्ताव होगा। 20 फरवरी को वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल दोपहर 12.30 बजे प्रदेश सरकार का वित्तीय वर्ष 2025–26 का आम बजट पेश करेंगे। पहली बार सत्र ई–विधानसभा में हो रहा है।

कानून व्यवस्था से लेकर एक्सप्रेसवे तक, राज्यपाल आनंदी बेन के अभिभाषण की बड़ी बातें

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए अपने अभिभाषण में कानून व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा के पहलू को प्रमुखता से रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी सभ्य समाज के लिए सुरक्षा उसकी मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और आमजन का शासन–प्रशासन से विश्वास उठ चुका था, लेकिन योगी सरकार ने पुलिस आधुनिकीकरण और सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को नजीर के रूप में प्रस्तुत किया। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई और कानून व्यवस्था एवं पुलिसिंग के स्तर व गुणवत्ता में नियमित एवं समयबद्ध रूप से सुधार किए। इसकी मदद से प्रदेशवासियों को अपराधमुक्त एवं भयमुक्त वातावरण देकर रामराज्य की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। सदन के पटल पर रखे गए अभिभाषण में राज्यपाल ने कहा, श्मेरी सरकार में अब तक कोई सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की घटना नहीं हुई है। विभिन्न महत्वपूर्ण त्योहारों, मेलों, जुलूसों, शोभा यात्राओं और धार्मिक आयोजनों के साथ–साथ विभिन्न निर्वाचनों को शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराए जाने में सफलता प्राप्त हुई है। राज्यपाल ने कहा, श्श्ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत जुलाई, 2023 से दिसंबर, 2024 तक 51 अभियुक्तों को मृत्युदंड, 6,287 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 1,091 अभियुक्तों को 20 वर्ष से अधिक की सजा, 3,868 अभियुक्तों को 10 से 19 वर्ष तक की सजा, 5,788 अभियुक्तों को 5 से 9 वर्ष की सजा एवं 51,748 अभियुक्तों को 5 वर्ष से कम की सजा से दंडित कराया गया है। उन्होंने कहा कि नवंबर, 2019 से अब तक चिन्हित माफिया या गैंग के सदस्यों के विरुद्ध विचाराधीन मुकदमों की न्यायालयों में प्रभावी पैरवी करते हुए 31 माफिया और

74 सह–अपराधियों को अलग–अलग अभियोगों में आजीवन कारावास, कारावास और अर्थदंड से दंडित कराया गया, जिसमें से दो को मृत्युदंड की सजा हुई। इसके अतिरिक्त, अवैध रूप से अर्जित बेनामी संपत्तियों को चिन्हित कर माफिया अपराधियों से मुक्त कराकर 4 हजार 74 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का जब्तीकरणध्ध्वस्तीकरण एवं अवैध कब्जे से मुक्त कराते हुए 141 अरब से अधिक मूल्य की चल–अचल संपत्तियों को राज्य सरकार में निहित किया गया।

मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था को कर दिया बर्बाद - मल्लिकार्जुन खरगे

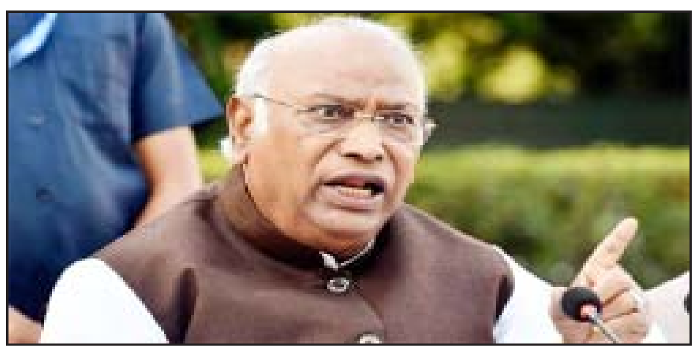

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की नीतियों को देश के आर्थिक विकास के दिए दिशाहीन तथा नीतिहीन करार देते हुए कहा है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है और देशवासियों का जीवन बर्बाद हो रहा है। खरगे ने कहा "इससे अधिक विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता कि मोदी सरकार के वित्त मंत्री यह कहें कि हमारी अर्थव्यवस्था श्अच्छा रिटर्नश दे रही है। इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 45 लाख करोड़ रुपए का सफाया हो चुका है। निफ्टी 50 कंपनियों ने 5 वर्षों में सबसे खराब तिमाही लाभ वृद्धि दिखाई है। अक्टूबर से विदेशी निवेशकों ने 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं जिसमें 2025 में लगभग एक लाख लाख करोड़ भी शामिल है जिसके कारण छोटे और मध्यम निवेशकों की संपत्ति खत्म हो गई है।" उन्होंने कहा "रुपया 87 पर, मतलब व्यापार घाटा आसमान छू रहा है। पिछले 05 वर्षों में आयात 62.21 प्रतिशत बढ़ गया है। मोदी सरकार की व्यापार नीति भारत के लिए विनाशकारी है। निर्यात वृद्धि यूपीए सरकार में 2004–14 में 549.36 मोदी 2014–24 –24.72 प्रतिशत अप्रैल– नवंबर 2024 तक ही। इस सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपयेका कॉर्पोरेट टैक्स राजस्व माफ कर दिया है, इस उम्मीद में कि वे नौकरियां पैदा करेंगे लेकिन कॉर्पोरेट करों में कटौती से लाभान्वित होने वाली 9 में से 8 कंपनियों ने नौकरियां कम कर दी हैं।" कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार को दृष्टिहीन, दिशाहीन और नीतिहीन करार देते हुए कहा कि इस सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है जिसके कारण देशवासियों का जीवन बर्बाद हो गया है। उन्होंने देश के समक्ष मौजूद स्थितियों का जिक्र करते हुए कहा "भारत वैश्विक टैरिफ युद्ध का सामना कर रहा है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र डूब रहा है। मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाएं विफल हो गई हैं। युवा बेरोजगारी का कोई समाधान नहीं है। मूल्य वृद्धि बचत को खत्म कर रही है। खपत गिर रही है, बजट से राहत नहीं। ग्रामीण मजदूरी में शून्य वृद्धि देखी गई है। पिछले 10 वर्षों में रुपये का मूल्य 43 प्रतिशत गिर गया है। जबरन तेल–गैस खरीदने से हमारे आयात बिल पर बोझ पड़ेगा।"

आधी रात को चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करना मोदी–शाह की असभ्यता – राहुल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने आधी रात को नये मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कर सबको चौंकाया ही नहीं है बल्कि असंवैधानिक कदम उठाकर असभ्य होने का भी परिचय दिया है। गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए सोमवार को हुई बैठक में अपनी असहमति यह कहते हुए व्यक्त की थी कि समिति से देश के मुख्य न्यायाधीश को हटाना गलत है और उनकी जगह गृहमंत्री अमित शाह को समिति में रखना अनुचित है। यह मामला न्यायालय में है और बुधवार को इस बारे में उच्चतम न्यायालय को फैसला देना है इसलिए इस मुद्दे को 19 फरवरी तक स्थगित किया जाना चाहिए लेकिन सरकार ने उनकी असहमति पर ध्यान दिए बिना आधी रात को नये चुनाव

आयुक्त की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी और इस कदम को सभ्य नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा "अगले चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए समिति की बैठक के दौरान मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को एक असहमति नोट प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया है कि एक स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करके और भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर सरकार ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर करोड़ों मतदाताओं की चिंता को बढ़ा दिया है।"

अमित शाह ने नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की

जम्मू–कश्मीर , (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की मौजूदगी में केंद्र शासित प्रदेश में नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। आज की बैठक की खास बात यह रही कि इसमें मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को आमंत्रित किया गया। हम आपको बता दें कि पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किए जाने के बाद अब कानून–व्यवस्था सीधे केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती है। पिछले दिनों जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए दो दिन लगातार बैठकें की थीं तो उसमें मुख्यमंत्री को नहीं बुलाया गया था। इस बारे में मुख्यमंत्री के सलाहकार ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि

निर्वाचित सरकार के मुखिया को कानून व्यवस्था संबंधी बैठकों में नहीं बुलाया जाना गलत है। संभवतः मुख्यमंत्री की उस नाराजगी के बाद ही उन्हें इस बैठक में बुलाया गया। नॉर्थ ब्लॉक में जम्मू–कश्मीर में नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्र तथा जम्मू–कश्मीर सरकार के शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे। हम आपको बता दें कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है। यह नये कानून पिछले वर्ष एक जुलाई से लागू हुए थे। अमित शाह पहले ही उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित ।

शपथग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां जोर–शोर से चल रही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में नई सरकार को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 19 फरवरी को विधायक दल की बैठक में सीएम के नाम पर मुहर लग जाएगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह इस बार भी रामलीला मैदान में होगा। शपथग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। रामलीला मैदान की ओर जाने वाले सभी रास्ते 19 फरवरी की रात से बंद होंगे ताकी 20 फरवरी को शपथग्रहण समारोह हो सके। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की टाइमिंग बदल गई है। पहले जहां 20 फरवरी की शाम 4.30 बजे दिल्ली के नए सीएम का शपथ ग्रहण होना था तो वहीं अब यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे होना

निश्चित हुआ है। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस अभी भी बना हुआ है। इसको लेकर विपक्षी दल आम आदमी पार्टी बीजेपी पर हमलावर है। कार्यवाहक सीएम आतिशी ने बीजेपी पर तंज करते हुए कहा है कि दिल्ली को चलाने के लिए बीजेपी के पास सीएम का चेहरा तक नहीं है। वहीं अब इस पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी बैचेन है। दिल्ली को लेकर दो–तीन दिन सब कुछ हो जायेगा। हमारा मुख्यमंत्री बहुत अच्छा होगा। चुनाव हुए तो पहले परवेश वर्मा का नाम हर किसी की जुबान पर था। उन्होंने ना सिर्फ अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली सीट पर मात दी बल्कि वो दिल्ली के पूर्व सीएम साहब सिंह वर्मा के बेटे भी हैं। वहीं दूसरी ओर बिहार चुनाव को ध्यान में रखते हुए सांसद मनोज तिवारी का नाम राजनीतिक गलियारों में काफी उछल रहा है। पूर्वांचल का बड़ा नाम होने के कारण ऐसी चर्चाओं ने जोर पकड़ा है। बीजेपी के विधायक हरीश खुराना ने कहा कि सीएम के नाम पर सस्पेंस जल्द खत्म होगा। उन्होंने कहा कि लोगों के कयास जल्द ही खत्म होने वाले हैं। केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय अनुसार भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री जल्द ही दिल्ली को मिलने वाला है।

संपादकीय

तंत्र की नाकामी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भयावह भगदड़ में जिन 18 लोगों की जान गई, उसे महज दुर्घटना नहीं कहा जा सकता। सही मायने में यह योजना, दूरदर्शिता और जवाबदेही की विफलता थी। जैसा कि पहले से पता था कि रोज हजारों तीर्थयात्री प्रयागराज महाकुंभ के लिये ट्रेनों में चढ़ने के लिये उमड़ रहे थे, अधिकारी उस भारी भीड़ का अनुमान लगाने और उसे प्रबंधित करने में विफल रहे। जिसके चलते यह दुखद हादसा घटित हुआ। पूर्व रेल मंत्री पवन बंसल समेत कई विपक्षी नेताओं ने रेल मंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग है। उनका कहना है कि यात्रियों की अप्रत्याशित संख्या में वृद्धि को देखते हुए भीड़ नियंत्रण के लिये उपाय करने में सरकार विफल रही है, जो एक गंभीर चूक है। निस्संदेह, महाकुंभ पहली बार नहीं हो रहा है। रेलवे यातायात संचालन में इसके पैमाने और प्रभाव का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद इस त्रासदी का सामने आना कई सवालों को जन्म देता है। सवाल मृतकों व घायलों को दिये जाने वाले मुआवजे को लेकर भी है। जबकि सामान्य दिनों में वर्ष 2023 की मुआवजा निर्देशिका में निर्धारित मुआवजा राशि में बड़ा अंतर है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार प्रणालीगत मुद्दों को ठीक करने के बजाय नकद भुगतान बढ़ाकर तंत्र की साख को हुई क्षति की पूर्ति का प्रयास कर रही है। यही वजह है कि विपक्षी दल रेलमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हादसे की सूचना की लीपापोती को लेकर भी सवाल उठे हैं। कहा जा रहा है कि ऐसे रेल हादसों के वक्त रेलमंत्री के रूप में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए लाल बहादुर शास्त्री और नीतीश आदि ने अपने पद से त्यागपत्र दिए थे। दरअसल, इस्तीफे से परे रेलवे में प्रणालीगत सुधार की भी आवश्यकता है। भारतीय रेलवे को अपने भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल में सुधार करने की जरूरत है। खासकर धार्मिक पर्वों और त्योहार की भीड़ के दौरान अतिरिक्त सावधानी की जरूरत महसूस की जाती है। सही मायनों में दिल्ली समेत तमाम रेलवे स्टेशनों में तीर्थयात्रियों की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए टिकटों के वितरण और नई ट्रेनों के संचालन को लेकर जिस संवेदनशील प्रशासन की जरूरत थी, वह नजर नहीं आया। ट्रेनों के आने के समय और उनके स्थगित होने पर कारगर वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत थी,वह नजर नहीं आई। दिल्ली हादसे के बारे में कहा जा रहा है कि एक नाम की दो ट्रेनों को लेकर मची भगदड़ हादसे की वजह बनी। एक अनुमान के अनुसार रेलवे प्रयागराज जाने वाले यत्रियों के लिए हर घंटे डेढ़ हजार सामान्य टिकट जारी कर रहा था। जिसके चलते प्लेटफॉर्मों पर तिल धरने की जगह नजर नहीं आ रही थी। निश्चित जगह में बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने तथा सीमित मात्रा में टिकट जारी करने की जरूरत थी। पैदल यात्रियों के लिये बने ओवरब्रिज पर लोग पहले ही बैठे थे और नई ट्रेन के आने की घोषणा से मची भगदड़ में कुछ लोग गिरे तो अन्य कई लोग गिरते गए, और दुखद हादसा हो गया। अनुमान लगाना चाहिए था कि सप्ताहांत में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी, उसी हिसाब से चौकस सुरक्षा तथा ट्रेनों का संचालन व टिकट वितरण किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में तीर्थ यात्रियों के रेल में असुरक्षित सफर करने के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार आ रहे थे।

अपने एआई इकोसिस्टम को मजबूत करें

डॉ. शशांक

पिछले दिनों चीन के नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम डीपसीक आर–1 ने आते ही अमेरिका सहित पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया। डीपसीक ने अमेरिका के एआई वर्चस्व को तोड़ते हुए एनवीडिया सहित कई अमेरिकी टेक कंपनियों के भविष्य पर भी सवाल खड़े कर दिए। चीन के एक छोटे से स्टार्टअप ने काफी कम खर्च में इतना शक्तिशाली एआई मॉडल बनाया है, जिसके बारे में दुनियाभर के एआई एक्सपर्ट सोच ही नहीं सकते थे कि चीन भी ऐसा कर सकता है। अब इस एआई ने पूरी दुनिया के टेक महारथियों को हिलाकर रख दिया है। चाइनीज स्टार्टअप कंपनी ने एक एआई चौट मॉडल, डीपसीक आर –1 पेश किया। इस चाइनीज एआई मॉडल ने एआई एफिसिएंसी, लागत में कमी और स्केलेबिलिटी में शानदार सफलता प्राप्त की है। चीनी कंपनी डीपसीक ने इन खर्चों में 94 प्रतिशत की कटौती की और सिर्फ 6 मिलियन डॉलर के ट्रेनिंग खर्च के साथ एक पॉवरफुल एआई मॉडल बना लिया। एआई मॉडल को बनाने के लिए खर्च को 94 प्रतिशत तक कम करना पूरी दुनिया के लिए हैरान करने वाली बात है। डीपसीक ने इसके लिए कई क्रांतिकारी तकनीकों का उपयोग किया है। उदाहरण के लिए, ओपन एआई 32–बिट फ्लोटिंग प्वाइंट्स का उपयोग करता है, जिसमें एक संख्या को स्टोर करने के लिए 4 बाइट्स मेमोरी की आवश्यकता होती है। डीपसीक एआई मॉडल 8–बिट फ्लोटिंग प्वाइंट्स का उपयोग करता है, जिससे इसकी मेमोरी की जरूरतें कम हो जाती हैं। इसे सिर्फ 1 बाइट मेमोरी की आवश्यकता होती है। दुनिया की शीर्ष कंपनियां आमतौर पर अपने चौटबॉट को सुपरकंप्यूटर से प्रशिक्षित करती हैं, जिसमें 16,000 या उससे ज्यादा चिप्स का इस्तेमाल होता है। डीपसीक के इंजीनियरों ने कहा कि उन्हें सिर्फ 2,000 एनवीडिया चिप्स की जरूरत थी। दुनियाभर के ज्यादातर एआई मॉडल्स एक बार में एक ही शब्द को पढ़ते हैं और प्रोसेस करते हैं, लेकिन डीपसीक एक बार में पूरे वाक्य को पढ़ सकता है और प्रोसेस कर सकता है, जिससे प्रोसेसिंग टाइम भी कम हो जाता है। चौट जीपीटी–4 को एक जवाब देने में दो सेकंड लगते हैं, जबकि डीपसीक के लिए दावा किया गया है कि यह 90 प्रतिशत सटीकता के साथ एक सेकंड में

जवाब दे सकता है। दरअसल, एआई मॉडल ट्रेनिंग साइकिल के दौरान अरबों शब्दों को प्रोसेस करते हैं। ऐसे में प्रोसेसिंग टाइम को कम करना, इस एआई कंपनी के लिए बड़ी सफलता है। ओपन एआई का जीपीटी–4 हर कैल्कुलेशन के दौरान 1.8 ट्रिलियन पैरामीटर्स को एक्टिव रखता है। वहीं, डीपसीक एक एडवांस एल्गोरिथ्म का उपयोग करके सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही स्पेसिफिक न्यूरल पाथवे को एक्टिव करता है। इससे एक समय में सिर्फ 37 बिलियन सक्रिय पैरामीटर्स होते हैं। इससे हमें यह समझ में आता है कि ओपन एआई की तुलना में डीपसीक के एआई मॉडल्स में किसी क्वेरी के प्रति कैल्कुलेशंस की संख्या काफी कम हो जाती है। यह मॉडल इतनी अच्छी तरह से काम करता है कि टेस्ला के पूर्व एआई निदेशक आंद्रेज करपैथी ने कहा कि डीपसीक ने कम बजट में एक एआई मॉडल को प्रशिक्षण देना बहुत आसान बना दिया है। वर्ष 2022 के अंत में जब ओपन एआई ने एआई बूम की शुरुआत की, तब से प्रचलित धारणा यह थी कि विशेष एआई चिप्स में अरबों डॉलर का निवेश किए बिना सबसे शक्तिशाली एआई सिस्टम नहीं बनाए जा सकते। इसका मतलब यह होगा कि केवल सबसे बड़ी तकनीकी कंपनियां, जैसे कि माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और मेटा, जो सभी संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित हैं, ही अग्रणी तकनीकों का निर्माण कर सकती हैं। डीपसीक के आने के बाद अब तस्वीर बदल गई है, ये लगने लगा है कि एआई मॉडल को कम पैसे में भी बना सकते हैं। डीपसीक विशेषज्ञों के अनुसार उन्हें अपने नए सिस्टम को तैयार और ट्रेंड करने के लिए केवल 6 मिलियन डॉलर की कच्ची कंप्यूटिंग शक्ति की आवश्यकता थी। यह मेटा द्वारा अपनी नवीनतम एआई तकनीक बनाने में खर्च की गई राशि से करीब 10 गुना कम था। दरअसल, यह शानदार उपलब्धि सिर्फ एआई रिसर्च और व्यवसायों के लिए ही नहीं, बल्कि सैन्य रणनीति, वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा, और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी भारी महत्व रखती है। निरूसंदेह, एआई टेक्नोलॉजी अब युद्ध की रणनीतियों को भी बदल रही है। चीन के पास पहले से ही एक एडवांस साइबर युद्ध सिस्टम है। एआई की मदद से चीन सोशल मीडिया पर असली जैसी दिखने वाली झूठी कहानियां तेजी से फैला सकता है, ताकि लोगों की राय, मानसिकता और कानूनी युद्ध को प्रभावित किया जा सके। इसके कारण भारत की एकता पर भी खतरा हो सकता है। इसके अलावा चीन अपनी डीपसीक वाली एआई टेक्नोलॉजी की मदद से हैकिंग टूल्स भारत के रक्षा ढांचे, परमाणु सुविधाओं और फाइनेंशियल सिस्टम को भी निशाना बना सकता है। भारत को अपने एआई इकोसिस्टम को जल्द से जल्द मजबूत करने की जरूरत है। भारत के लिए सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन में इन्वेस्ट करना, एआई द्वारा संचालित रक्षा तकनीक को प्राथमिकता देना काफी महत्वपूर्ण है।

हाई स्किल्ड पेशेवर तैयार करने की चुनौती

डॉ. जयंतीलाल

यकीनन इस समय जहां नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई स्किल्ड पीढ़ी के लिए भारत में ही नहीं, दुनियाभर में नए दौर की नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं, वहीं करोड़ों युवाओं को नए दौर की इन नौकरियों के लिए शिक्षित–प्रशिक्षित करने की बड़ी चुनौती भी सामने है। खासतौर से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह चुनौती और अधिक है। हाल ही में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू–आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव आदि परिवर्तनों के कारण नई हाई स्किल्ड नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनियाभर में उद्योगों–व्यवसायों को नया रूप मिलता दिखाई देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां भारत में नियोक्ताओं का मानना है कि सेमीकंडक्टर और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों को अपनाने से उनके परिचालन में बदलाव आएगा, वहीं क्वांटम और एन्क्रिप्शन प्रौद्योगिकियों को अपनाने से भी परिचालन में परिवर्तन होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, विश्व स्तर पर एआई कौशल की मांग में तेजी आई है, जिसके क्षेत्र में भारत और अमेरिका अग्रणी नजर आते हैं। ऐसे में सबसे तेजी से बढ़ती जिन नौकरियों की भूमिकाएं होंगी, उनमें एआई, बिग डेटा, मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा प्रबंधन के विशेषज्ञ शामिल हैं। ये सभी नौकरियां वैश्विक रुझानों के साथ निकटता से जुड़ी हैं। इसी के चलते भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्किल्ड वर्कफोर्स वाले देशों में शामिल है। अगले दशक में भारत दुनिया की एक चौथाई नई हाई स्किल्ड वर्कफोर्स का हब भी बनता दिखाई दे सकता है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता करते हुए कहा कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआई की वजह से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को हाई स्किल्ड बनाते हुए नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने 140 करोड़ से अधिक लोगों के लिए बहुत कम लागत पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार किया है। साथ ही इंडियाएआई मिशन प्रभावी रूप से काम कर रहा है। निरूसंदेह, भारत की नई पीढ़ी डिजिटल दौर के हाई स्किल्ड कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक, भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक, भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस समय जहां प्रतिभा संपन्न हाई–स्किल्ड नई पीढ़ी देश के विकास में बड़ा योगदान दे रही है, वहीं भारत के टैलेंट की दुनिया में पहचान है। भारत के प्रोफेशनल बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल स्तर पर अभूतपूर्व योगदान रहे हैं। ये हाई स्किल्ड पीढ़ी सेवा निर्यात से विदेशी मुद्रा कमाने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में भी उभर रही है। यह भी महत्वपूर्ण है।

..........स्वास्थ्य..........

भूकंप आने से इंसानी शरीर पर क्या असर पड़ता है

भूकंप एक ऐसी घटना है जिसमें अचानक से जमीन हिलने लगती है और इंसान को तेज झटका महसूस होता है। यह हमेशा डरावना होता है और खासतौर पर दिमाग पर इसका गहरा असर पड़ता है। दिल्ली–एनसीआर में आज सुबह 5रू36 बजे एक तेज भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.06 मापी गई। भूकंप के बाद लोग तुरंत अपने घरों से बाहर निकल आए थे। आइए जानते हैं, भूकंप का इंसान के शरीर और दिमाग पर क्या असर पड़ता है और किन लोगों के लिए यह ज्यादा खतरनाक हो सकता है।

भूकंप का दिमाग पर असर

भूकंप के झटके इंसान के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकते हैं। कई लोग भूकंप के बाद चिंता, डर और तनाव महसूस करते हैं। इसके कारण कुछ लोगों को नींद न आने की समस्या हो सकती है। भूकंप के बाद कुछ लोगों को चक्कर आने की शिकायत भी होती है, जिससे उन्हें लगता है कि उनका कमरा हिल रहा है, जबकि असल में ऐसा नहीं होता। यह एक प्रकार का मानसिक प्रभाव होता है, जिसे पोस्ट–सिंड्रोम कहा जाता है।

भूकंप के साइड–इफेक्ट्स

भूकंप के दौरान और बाद में कई शारीरिक और मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। अक्सर लोग भूकंप के झटकों के बाद चक्कर आने की शिकायत करते हैं। कुछ मामलों में, यह समस्या कई दिन तक बनी रह सकती है, जो मानसिक तनाव का परिणाम होती है।

भूकंप किन लोगों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक हो सकता है?

बुजुर्ग और बच्चे

बुजुर्ग और छोटे बच्चे भूकंप के झटकों के दौरान सबसे ज्यादा खतरे में होते हैं। इनका शरीर शारीरिक और मानसिक रूप से तनाव को सहने में सक्षम नहीं होता, जिससे उनके लिए ये स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

हृदय रोगी (हार्ट डिजीज वाले)

हार्ट डिजीज वाले लोगों के लिए भूकंप का तनाव बहुत खतरनाक हो सकता है। किसी भी प्रकार का शारीरिक और मानसिक तनाव उनके दिल की धड़कन को प्रभावित कर सकता है, जिससे हार्ट अटैक जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

श्वसन रोगी (सांस से जुड़ी बीमारियां)

जिन लोगों को अस्थमा, ब्व्च्क (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) जैसी बीमारियाँ हैं, उनके लिए भूकंप के बाद धूल और मलबे से सांस लेने में समस्या हो सकती है, जो उनकी स्थिति को और बिगाड़ सकता है।

विकलांग लोग

जो लोग शारीरिक रूप से विकलांग होते हैं, उनके लिए भूकंप के दौरान अपनी सुरक्षा करना कठिन हो सकता है। वे खुद को सही से बचाने में सक्षम नहीं होते, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य वाले लोग

जिन लोगों को मानसिक तनाव, डर, और चिंता की समस्याएं होती हैं, उनके लिए भूकंप का असर और भी गंभीर हो सकता है। यह उनकी मानसिक स्थिति को और बिगाड़ सकता है, जिससे उन्हें मानसिक समस्याएं हो सकती हैं।

भूकंप एक अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदा है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। खासकर, बुजुर्ग, बच्चे, हृदय रोगी, श्वसन रोगी, विकलांग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े लोगों के लिए यह और भी खतरनाक हो सकता है। इस तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए हम सभी को सतर्क और तैयार रहना चाहिए।

अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो जाए तो इन तरीकों से करें कंट्रोल

ब्लड प्रेशर का अचानक बढ़ जाना, जिसे हाइपरटेंशन कहते हैं, एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। यह शरीर के रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालता है, जिससे दिल, गुर्दे, और मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ सकता है। कभी–कभी यह समस्या बिना किसी चेतावनी के होती है, और अगर तुरंत कंट्रोल न किया जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। यदि आपका ब्लड प्रेशर अचानक हाई हो जाए, तो आपको तुरंत ध्यान देना चाहिए और कुछ उपायों को अपनाकर इसे ब्दजतवस करने की कोशिश करनी चाहिए।

इस आर्टिकल में हम आपको उन कुछ कारगर तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप अचानक हाई हुए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं।

गहरी सांस लें

जब भी आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो गहरी सांस लेना सबसे पहले और सबसे प्रभावी उपाय हो सकता है। यह तकनीक आपके शरीर को शांत करने में मदद करती है और तनाव को कम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। गहरी सांस लेने से रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सामान्य हो सकता है और रक्तचाप नियंत्रित हो सकता है।

आराम से बैठें और अपनी आंखें बंद करें। गहरी सांस लें, नाक से धीरे–धीरे और गहरी सांस लें, फिर मुंह से धीरे–धीरे बाहर छोड़ें।इस प्रक्रिया को 5–10 मिनट तक दोहराएं।

पानी पीना

पानी का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, क्योंकि इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सही रहता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा होता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर के दौरान पानी पीने से राहत मिल सकती है।

कैसे करेंरू अगर आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो तुरंत एक गिलास पानी पीने की कोशिश करें। अगर शरीर में पानी की कमी है, तो ज्यादा पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

लवंग और शहद का सेवन (ब्सवअमे ंदक भ्वदमल)

लवंग और शहद का मिश्रण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है। लवंग में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। शहद, रक्त वाहिकाओं को साफ रखने और रक्त के प्रवाह को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कैसे करेंरू एक गिलास गर्म पानी में 2–3 लवंग डालें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं। इसे रोजाना सुबह खाली पेट सेवन करें।

हल्का वॉक

हल्की दौड़ या वॉक करने से शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है और शरीर को आराम मिलता है। यह ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका है, क्योंकि यह हृदय को मजबूत करता है और शरीर को अधिक ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है।

यदि आपके पास समय हो, तो आराम से बाहर थोड़ी देर के लिए चलने जाएं। अगर बाहर जाना मुश्किल हो, तो घर के भीतर ही हल्का वॉक करें या किसी जगह पर खड़े होकर पैर हिलाएं।

नींबू पानी

नींबू में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है और रक्त वाहिकाओं की स्थिति को बेहतर बनाता है। नींबू पानी पीने से रक्त प्रवाह सामान्य रहता है, जिससे ब्लड प्रेशर को कम किया जा सकता है।

स्ट्रेस को कम करें

तनाव और चिंता ब्लड प्रेशर को बढ़ाने के प्रमुख कारण हैं। अगर आप अचानक से हाई ब्लड प्रेशर महसूस करें, तो तनाव को कम करने के लिए अपने दिमाग को शांत करने की कोशिश करें। ध्यान, योग और रिलैक्सेशन तकनीकें तनाव कम करने में मदद करती हैं और ब्लड प्रेशर को सामान्य करने में सहायक होती हैं।

थोड़ी देर के लिए मेडिटेशन करें या आराम से ध्यान लगाने की कोशिश करें। योग, प्राणायाम, या कुछ हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

नमक का सेवन कम करें

अधिक नमक का सेवन ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। यदि आपके ब्लड प्रेशर में अचानक वृद्धि हो, तो नमक का सेवन कम कर दें। यह रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालने से बचता है और आपके रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है।

अपनी डाइट से नमक को कम करें। प्रोसेस्ड फूड्स और पैकेज्ड स्नैक्स में अधिक नमक हो सकता है, इसलिए इनसे बचें।

शहद और अदरक का मिश्रण

अदरक भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में और सुविधा बढ़ाने के लिए की गई समीक्षा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। राम मंदिर निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा की समीक्षा की गई। महाकुंभ के दौरान अयोध्या में अप्रत्याशित भीड़ को लेकर राम मंदिर निर्माण समिति व श्रीजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का निर्णय लिया गया कि अब तक जो दी गई सुविधा वो नाकाफी है। रामलला दर्शन के लिए और सुविधाएं बढ़ाने का निर्णय लिया गया,भारी भीड़ के चलते 25 दिन राम मंदिर निर्माण कार्य बाधित रहा,राम मंदिर निर्माण का समय और बढ़ाया गया है। यात्री सुविधा केंद्र में और सुविधाएं बढ़ाई जाएगी, राम मंदिर के दक्षिणी मार्ग पर निकासी के लिए एक से अधिक मार्ग बनाने का निर्णय लिया गया है। राम मंदिर निर्माण कार्य अब जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।परकोटे का कार्य सितंबर तक पूरा होगा, ।रामनवमी में अतिरिक्त सुविधा देने के लिए आज की बैठक में होगा निर्णय लिया गया।

महाराष्ट्र से दर्शन पूजन करने आई महिला व उसके परिवार से ड्राइवर ने की मारपीट

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार ।महाराष्ट्र से दर्शन पूजन करने आई महिला व उसके परिवार से ड्राइवर ने की मारपीट की गई थी टूरिस्ट गाइड सुरेश आचार्य पर 1 लाख 80 हजार रुपए लेकर प्रयागराज काशी विश्वनाथ व अयोध्या में वीआईपी दर्शन करने का झांसा देने का आरोप भी लगाया गया है, तीनों जगहों पर टूरिस्ट गाइड नही करवा पाया वीआईपी दर्शन, नाराज महिला ने जब की शिकायत तो टूरिस्ट गाइड के ड्राइवर पर महिला से मारपीट का आरोप भी लगा है, कोतवाली अयोध्या के रायगंज क्षेत्र में हुई मारपीट की घटना दर्ज हुई महिला श्रद्धालु कविता शेट्टी ने अयोध्या कोतवाली में दर्ज कराया मुकदमा, तीनों धार्मिक स्थलों का वीआईपी दर्शन कराने के लिए महाराष्ट्र में 1 लाख 80 हजार रुपए पर हुआ था सौदा, बेंगलुरु निवासी सुरेश आचार्य ने खुद को बताया था सीएम योगी का मित्र, खुद को बताया था कर्नाटक का डिप्टी स्पीकर,अयोध्या पुलिस मामले की जांच में जुटी।

सड़क हादसे में मामा की मौत भांजा घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के खेतासराय–दीदारगंज मार्ग पर मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जमदहा मदरसा महमूदिया के पास विपरीत दिशा से आ रही पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार 23 वर्षीय गुलशन बिंद की मौके पर मौत हो गई। उनके साथ बाइक पर सवार 12 वर्षीय भांजा सत्यम बिंद गंभीर रूप से घायल हो गया। दीदारगंज थाना क्षेत्र के सुघरपुर निवासी गुलशन अपने भांजे को लेकर जमदहा से घर लौट रहे थे। रात करीब 9 बजे यह हादसा हुआ। गुलशन अपनी बहन के घर एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। राहगीरों की मदद से पुलिस ने दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने गुलशन को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में सत्यम को जिला अस्पताल रेफर किया गया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि मृतक का शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। हादसे की खबर से मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

प्रयागराज से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी ओवरटेक के चक्कर में ट्रक से टकराई पांच लोग घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बोधापुर गांव के महावीर बाबा मुड़ कटवा के पास एक कार और ट्रक की टक्कर में 5 लोग घायल हो गए। विदित हो कि बिहार के सिवान जिले के हर्बल गांव से सुरेंद्र यादव अपने परिवार के साथ प्रयागराज संगम स्नान के लिए गए थे। परिवार में उनकी पत्नी बसंती, पुत्री सुमन यादव, पुत्र मृत्युंजय, अमित और पुत्री रीवा शामिल थे। बुधवार सुबह वापसी के दौरान उनकी कार ने एक सीमेंट लदे ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से कार की टक्कर हो गई। हादसे में बसंती को छोड़कर कार में सवार सभी लोग घायल हो गए। घायलों की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाई और सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस माममें में डॉ अरुण सिंह ने बताया कि सभी घायलों की स्थिति सामान्य है। सभी को इलाज के बाद छोड़ दिया गया है।

हैदरगंज पुलिस ने खाकी वर्दी का धौंस दिखाते हुए वाहन चालक श्रद्धालु की पिटाई करते हुए हुआ वीडियो वायरल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।मंगलवार को अयोध्या धाम दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालु की जिले की थाना हैदरगंज पुलिस ने पिटाई कर दिया। उसे बचाने आए अन्य श्रद्धालुओं के साथ भी अभद्रता किया ।मामला धोबना चौराहा से जुड़ा बताया जा रहा है ।जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है ।देखा जाये तो 33 सेकंड के वीडियो में एक पुलिसकर्मी वाहन चालक श्रद्धालु की पिटाई करता दिखाई दे रहा है ।श्रद्धालुओं ने जब इसका विरोध किया तो खाकी वर्दी धारी पुलिस ने उनके साथ भी अभद्रता किया। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस मामले में जांच की बात कह रही है ।मालूम हो कि इस समाज प्रयागराज के बाद अयोध्या में श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे रहे है ।ऐसे ही स्कॉर्पियो में सवार कुछ श्रद्धालु अयोध्या आ रहे थे। वायरल वीडियो मे पुलिस ने अभद्रता और मारपीट किया। स्थानीय लोगों के मुताबिक ष्श्रद्धालु के गाड़ियों का काफिला धोबना चौराहा से गुजर रहा था ।इस दौरान विपरीत दिया से हूटर बजाते हुए एक गाड़ी श्रद्धालुओं के गाड़ी के सामाने आ गई ।श्रद्धालु की गाड़ी के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगया ।लेकिन सामने से आ रही कार में स्क्रेच आ गई ।स्थानीय लोगों के मुताबिक ष्घटना के बाद कार से एक सिपाही निकला और वह श्रद्धालु की गाड़ी के ड्राइवर के साथ मारपीट करने लगा, इसके साथ ही गाली गलौज किया ।श्रद्धालुओं ने जब इसका विरोध किया तो उनके साथ भी सिपाही अभ्रदता करने लगे ।स्थानीय लोगों के विरोध के बाद सिपाही गाली गलौज करते हुए मौके से चला गया ।स्थानीय नेताओं और सामाजिक संगठनों ने घटना की कड़ी निंदा की है और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है ।फिलहाल इस मामले में बीकापुर सीओ पीयूष कुमार ने बताया ष्वीडियो को संज्ञान में लेकर मामले की जांच की जा रही है। दोषी पुलिस कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी ।देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र इस वीडियो के वायरल होने की पुष्टि नहीं करता है।

'विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' बुधवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई, के अध्यक्षध्जनपद न्यायाधीश संजीव शुक्ला सचिवध्अपर जिला जज भूपेंद्र प्रताप जी के निर्देशानुसार नशा मुक्ति एवं नशे के कारण एवं बचाव विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन प्राथमिक विद्यालय ग्राम सकाहा विकास खंड बावन में किया गया। शिविर की अध्यक्षता ग्राम प्रधान गुडनेश कुमार के द्वारा की गई। शिविर में पीएलबी कीर्ति कश्यप के द्वारा नशा उन्मूलन विधिक योजना 2015 के बारे में जानकारी प्रदान की और बताया कि पान मसाला एवं गुटखा खाने वाले व्यक्तियों को मुंह का कैंसर एवं अन्य फेफड़े संबंधी विभिन्न रोग हो जाते हैं और नशे की लत को छुड़ाने के लिए व्यक्ति को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया जा सकता है और निःशुल्क विधिक सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्राम वासियों को अवगत कराया व पीएलबी श्यामू सिंह के द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा दी जा रही निःशुल्क विधिक सहायताओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 8 मार्च 2025 के बारे में जानकारी प्रदान की गई। शिविर में अध्यापकध्अध्यापिकाएं और काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एसकेडी एकेडमी ने 'पोषण करने वालों का पोषण: शिक्षकों के लिए एक स्व-देखभाल कार्यशाला' का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी के मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ ने वृंदावन योजना परिसर में ष्पोषण करने वालों का पोषणरू शिक्षकों के लिए एक स्व–देखभाल कार्यशालाष का सफल आयोजन किया। यह सत्र शिक्षकों को आवश्यक आत्म–देखभाल रणनीतियों से सुसज्जित करने के लिए तैयार किया गया, जिससे विद्यार्थियों को और अधिक प्रभावी रूप से शिक्षित कर सकें।

इस कार्यक्रम में एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक– श्री मनीष सिंह, एसकेडी एकेडमी की उपनिदेशिका– श्रीमती निशा सिंह, तथा उपनिदेशिका (शैक्षणिक)– डॉ. कुसुम बत्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने इस पहल के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यशाला का संचालन आरसीआई–लाइसेंस प्राप्त पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. नेहर्षी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उन्होंने तनाव प्रबंधन, भावनात्मक सुदृढ़ता और माइंडफुलनेस तकनीकों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। डॉ. श्रीवास्तव के सत्र ने शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया और उन्हें तनाव प्रबंधन एवं मनोवैज्ञानिक संतुलन बनाए रखने के लिए व्यावहारिक उपकरण उपलब्ध कराए।

इस कार्यक्रम का समन्वयन श्रीमती श्रेया (परामर्शदाता एवं पीजीटी साइकोलॉजी, एसकेडी एकेडमी, वृंदावन शाखा) ने किया, जिन्होंने सहभागियों के लिए इंटरैक्टिव चर्चाओं और रोचक गतिविधियों को सुनिश्चित किया, जिससे यह कार्यशाला एक समृद्ध अनुभव बन सकी।

इस कार्यशाला ने शिक्षण पेशे में आत्म–देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया और शिक्षकों को अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम आत्म–चिंतन, पुनर्जीवन, और प्रभावी आत्म–देखभाल रणनीतियों के विकास के लिए एक मंच प्रदान करने में सफल रहा, जिससे व्यक्तिगत और व्यावसायिक संतुष्टि को बढ़ावा मिला।

कार्यशाला का समापन एक सकारात्मक नोट पर हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने व्यावहारिक सुझावों और मूल्यवान सीख के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। एसकेडी एकेडमी भविष्य में भी अपने शिक्षकों के लिए इस तरह के सार्थक और प्रेरणादायक आयोजनों के प्रति प्रतिबद्ध है।

केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने 1:1 अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नासिक स्थित, केबीसी ग्लोबल लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डीरेक्टर्स ने आयोजित बैठक में 1:1 के अनुपात में बोनस जारी करने को मंजूरी दे दी है (प्रत्येक 1 रुपये के पूर्ण भुगतान किए गए इक्विटी शेयर के बदले एक बोनस इक्विटी शेयर जारी किया जाएगा)। यह निर्णय कंपनी के शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी का लक्ष्य निकट भविष्य में विस्तार योजनाओं गति देना और ऋण कटौती में तेजी लाकर व्यवसाय संचालन में बदलाव लाने का है। बोर्ड ऑफ डीरेक्टर्स ने अधिकृत पूंजी बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी और केबीसी ग्लोबल लिमिटेड का नाम बदलकर धरन इंफ्रा–ईपीसी लिमिटेड या आरओसी द्वारा अनुमोदित किसी अन्य नाम का प्रस्ताव रखा। कंपनी ने केबीसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, यूके स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के अध्यक्ष के रूप में श्री नरेश करदा की नियुक्ति को भी मंजूरी दी। कंपनी की ऑर्डर बुक 260 करोड़ रूपये से अधिक है और मार्केट कैपिटलाइजेशन 300 करोड़ रूपये है। बोनस इक्विटी शेयर कंपनी के फ्री रिजर्व, सिक्योरिटीज प्रीमियम अकाउंट और कैपिटल रिडेम्पशन से जारी किए जाएंगे। बोनस इश्यू के लिए कुल 261.43 करोड़ रूपये का उपयोग किया जाएगा, जिसमें बोर्ड की मंजूरी के 60 दिनों के भीतर शेयर क्रेडिट किए जाएंगे। आज की तारीख में कंपनी की शेयर पूंजी 261.43 करोड़ रूपये है, जिसमें 1 रुपये प्रत्येक के इक्विटी शेयरों की समान संख्या शामिल है, जो बोनस जारी होने के बाद बढ़कर 522.87 करोड रूपयेध हो जाएगी। सेबी विनियमन 30 (2015) के अनुसार, कंपनी नियत समय में बोनस शेयर पात्रता के लिए "रिकॉर्ड डेट" की घोषणा करेगी। हाल ही में, पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क, फाल्कोन पीक फंड लिमिटेड सहित अन्य निवेशक, कंपनी में कन्वर्टिबल प्रेफरेंशियल वॉरंट जारी करने के माध्यम से 99.50 करोड रूपये तक का निवेश करेंगे। कंपनी के बोर्ड ने 16 अक्टूबर, 2024 को हुई बैठक में गैर–प्रमोटरों को तरजीही आधार पर 2.20 रुपये प्रति वारंट (जिसमें 1.20 रुपये का प्रीमियम शामिल है) की दर से 45.23 करोड़ वारंट जारी करने की मंजूरी दी है। कुल मूल्य 99.50 करोड़ रुपये होगा। प्रत्येक वारंट 1 रुपये के अंकित मूल्य के एक इक्विटी शेयर में परिवर्तनीय होगा और प्रत्येक का पूरी तरह से भुगतान किया जाएगा। इक्विटी इश्यू की आय का उपयोग ऋण के पुनर्भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके लिए कंपनी की एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग 15 नवंबर, 2024 को मिली थी। जारी किए जाने वाले कुल 45.23 करोड़ वारंट में से फाल्कोन पीक फंड लिमिटेड को 26 करोड़ वारंट, पतंजलि परिवहन प्राइवेट लिमिटेड और पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क को 4.55 करोड़ वारंट और फोरसाइट होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड को 2.28 करोड़ वारंट आवंटित करने का प्रस्ताव है। वारंट जारी होने के बाद केबीसी ग्लोबल लिमिटेड में फाल्कोन पीक फंड (सीईआईसी) लिमिटेड की हिस्सेदारी 8.48 प्रतिशत, पतंजलि कंपनियों की 1.48 प्रतिशत और फोरसाइट होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड की हिस्सेदारी 1.04 प्रतिशत होने की उम्मीद है। वारंट जारी करना सेबी (इश्यू ऑफ केपिटल एंड डिस्क्लोजार रिकवायरमेंट निर्गम) विनियम, 2018 के प्रावधानों के अनुसार है और वारंट को शेष राशि की प्राप्ति के साथ आवंटन के 18 महीनों के भीतर कंपनी के इक्विटी शेयरों में परिवर्तित किया जाएगा। निदेशक मंडल ने सदस्यों के अनुमोदन के अधीन कंपनी के कार्यकारी निदेशक के रूप में सुश्री मुना मक्की को भी नियुक्त किया है।

पचदेवरा पुलिस ने वांछित अभियुक्त व अभियुक्ता की गिरफ्तारी की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ ।पुलिस के मुताबिक दिनांक 16.02.2025 को वादी रामनिवास पुत्र स्व० मकरंद कुशवाहा निवासी ग्राम मिघौल थाना अल्हागंज जनपद शाहजहांपुर द्वारा थाना पचदेवरा पर तहरीर दी गयी कि अभियुक्तगण 1. अभिषेक पुत्र रघुपाल कुशवाहा व अभियुक्ता राजेश्वरी देवी पत्नी रघुपाल कुशवाहा निवासीगण ग्राम मडैया मजरा पत्यौरा थाना पचदेवरा जनपद हरदोई व 03 अन्य अभियुक्तों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर वादी की पुत्री के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी गई। इस संबंध में थाना पचदेवरा पर मु0अ0सं0 29/25 धारा 80 (2)/85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट बनाम 05 नामजद अभियुक्तगण के विरुद्ध पंजीकृत किया गया।

कार्यवाही–

थाना पचदेवरा पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग में नामजद अभियुक्त 1. अभिषेक पुत्र रघुपाल व अभियुक्ता राजेश्वरी देवी पत्नी रघुपाल निवासीगण ग्राम मडैया मजरा पत्यौरा थाना पचदेवरा जनपद हरदोई को गिरफ्तार किया गया। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

गिरफ्तार अभियुक्त/अभियुक्ता का नाम व पता–

1. अभिषेक पुत्र रघुपाल निवासी ग्राम मडैया मजरा पत्यौरा थाना पचदेवरा जनपद हरदोई।
2. राजेश्वरी देवी पत्नी रघुपाल निवासी ग्राम मडैया मजरा पत्यौरा थाना पचदेवरा जनपद हरदोई।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में

1. उ0नि0 दिनेश कुमार पाण्डेय थाना पचेदवरा जनपद हरदोई।
2. का0 मिथुन मिश्रा थाना पचदेवरा जनपद हरदोई।
3. म0का0 माधुरी थाना पचदेवरा जनपद हरदोई शामिल रहे।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में सभा आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शिवाजी मार्ग व्यापार मण्डल के व्यापारियों ने मातृभूमि के अनन्य उपासक, विदेशी आक्रांताओं के विध्वंसक, हिन्दू पद पादशाही के संस्थापक, सनातन धर्म रक्षक महान छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में एक सभा आयोजित कर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि अमरनाथ मिश्र, अध्यक्ष लखनऊ व्यापार मण्डल के द्वारा माल्यापर्ण किया।

मिश्र जी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज निर्विवाद रूप से भारत के सबसे महान राजाओं में से एक थें उनकी युद्ध प्रणालियॉ आज के युग में अपनायी जाती एक दृढ़ संकल्पी पुरूष थे जिसके साथ आगे बढ़े हम सभी को उनसे सीख लेकर दृढ़ संकल्पों के साथ अपने व्यापार एवं व्यापार मण्डल को आगे बढ़ाना चाहिए।

मुख्य रूप से गोपाल दीक्षित, अतुल त्रिपाठी,अभिनव गुप्ता, अंकित अग्रवाल, वैभव मिश्रा, अंकित अग्रवाल के साथ शिवाजीमार्ग के सभी व्यापारी उपस्थिति रहे।

प्रजापति ब्रह्मा कुमारी की ओर से भव्य कलश शोभा यात्रा निकली

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

महाशिवरात्रि पर्व से पहले नगर में मुख्य मार्गों से प्रजापति ब्रह्मा कुमारी द्वारा देवी देवताओं की सुसज्जित झांकियो सहित शोभायात्रा निकाली गयी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की ओर से महाशिवरात्रि के पर्व से पहले प्रत्येक वर्ष शोभा यात्रा का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में बुधवार को कलश शोभा यात्रा कस्बा में मुख्य मार्गो से हर्षोल्ल्लास से निकाली गयी ।शोभायात्रा में शिवलिंग,शंकर पार्वती,गणेश जी,दुर्गा जी आदि की सुंदर झांकियों ने सभी को मोहित किया ।गाजेबाजे के साथ भक्तिमय वातावरण में सर पर कलश धारण किये दर्जनों महिलाओं ने भक्ति की अलख जगाई ।हाथ में शिव ध्वज लिए हुए श्वेत वस्त्रधारी कन्याओं,बहनों ने जयकारे लगाए ।यात्रा के मध्य में जगह जगह शिव बाबा का फूलमालाएं पहनाकर और पुष्पार्पण करके शोभायात्रा का स्वागत किया गया ।अंत में ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र मो० चौक में झंडा के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ ।शोभा यात्रा का संचालन बीके मालती,लबली,मीरा,कल्पना,राधा,सीता,रुचि,दुर्गा बहन द्वारा किया गया ।इस यात्रा के दौरान अश्वनी कुमार गुप्ता,गुड्डू गुप्ता,अजय कुमार दीक्षित,राजेश वर्मा, आलोक पाठकएवं नगर के विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

निदेशक प्रोफेसर (डा०) सी०एम० सिंह द्वारा रोगी आहार किचन में नवनिर्मित कोल्ड रुम का उद्घाटन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में निदेशक प्रोफेसर (डा0) सी0एम0 सिंह द्वारा रोगी आहार किचन में नवनिर्मित कोल्ड रुम का उद्घाटन किया गया। इस कोल्ड रुम के स्थापित होने से साग, सब्जियाँ एवं फलें ताजे बने रहेंगे तथा इनका भण्डारण अनुकूल तापमान पर किया जा सकेगा जिससे मरीजों को ताजे फल एवं सब्जियाँ वितरित की जा सकेंगी। साथ ही साथ निदेशक महोदय के दिशानिर्देशों के अनुरुप रोगी आहार विभाग एवं नेफ्रोलॉजी विभाग के संयुक्त पहल से संस्थान में डायलिसिस हेतु भर्ती मरीजों को डायलिसिस के दौरान नाश्ता, जो उनकी बीमारी के अनुसार है, मुफ्त में वितरित किया जायेगा। इस पहल से डायलिसिस कराने वाले मरीजों को काफी राहत मिलेगी तथा उनके तीमारदारों को उनके खान–पान की व्यवस्था हेतु परेशान नहीं होना पड़ेगा। इस सुविधा को प्रारम्भ करके डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान प्रदेश में पहला सरकारी संस्थान बन गया है जो भर्ती डायलिसिस मरीजों को डायलिसिस के दौरान मरीजों के पोषण को दृष्टिगत रख नाश्ता उपलब्ध करायेगा।

इस दौरान निदेशक महोदय द्वारा स्वयं डायलिसिस हेतु संस्थान में भर्ती मरीजों को वार्ड में नाश्ता वितरित किया गया एवं उनका कुशल–क्षेम के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की गई। भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों द्वारा निदेशक महोदय हृदय से धन्यवाद दिया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डा0) ए0के0 सिंह, विभागाध्यक्ष नेफ्रोलॉजी विभाग प्रो0 (डा0) अभिलाष चन्द्रा, नेफ्रोलॉजी विभाग की प्रो0 (डा0) नम्रता राव, आहार विभाग की वरिष्ठ डाइटिशियन डा0 पूनम तिवारी, संस्थान की डाइटिशियन्स एवं रोगी आहार किचन के कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ मेला के चलते सबसे अधिक प्रयागराज अयोध्या राजमार्ग पर सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी

अयोध्या ।प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के चलते देखा जाए तो इस समय सबसे ज्यादा सड़क हादसों का शिकार प्रयागराज अयोध्या राजमार्ग पर हो रही है ।वहीं इसके अलावा हैदरगंज अयोध्या संपर्क मार्ग सबसे अधिक श्रद्धालु सड़क हादसे का शिकार हो रहे हैं। बताते चलें अयोध्या प्रयागराज राज मार्ग पर फोर लेन न होने के चलते इस सड़क के बीच डिवाइडर ना होने के चलते लाखों की तादाद में रामनगरी आने व राम नगरी से प्रयागराज को जाने वाले श्रद्धालु सड़क हादसे का शिकार होकर मौत के मुँह में समा रहे हैं। देखा जाए तो इधर पिछले एक सप्ताह में ही मसौधा से लेकर सुल्तानपुर के बीच में कई श्रद्धालु सड़क हादसे में चोटिल हुए हैं। जिसका मुख्य कारण है कि दोनों ओर से भारी संख्या मे वाहनों का आना वहीं यातायात पुलिस कर्मियों का तथा विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों का अभाव भी है। जिसके चलते इस मार्ग पर सड़क हादसों में इधर काफी बढ़ोतरी हुई है ।अयोध्या जिले की अयोध्या जिला से तारुन होते हुए हैदरगंज संपर्क मार्ग पर जिसमें खासकर हैदरगंज से तारुन के बीच काफी सड़क हादसे देखे जा रहे हैं। हैदरगंज बाजार से तारुन की दूरी मात्र 10 किलोमीटर है जिसमें कुल 65 खतरनाक मोड़ है ।जहां पर सड़क हादसा होना तय है। कुंभ मेले से पहले भी स्थानीय लोग भी इस मोड़ पर जिन्हें मालूम रहता था वे भी सड़क हादसे का शिकार होते थे ।लेकिन महाकुंभ के चलते रोड डायवर्जन होने के कारण दूर दराज से और गूगल मैप के के सहारे विभिन्न प्रांतो से आने वाले वाहन चालक स्पीड में तो आते हैं लेकिन इन 65 मोड़ों पर अचानक गाड़ी पर नियंत्रण नहीं कर पाते और सड़क हादसे का शिकार हो जाते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण अभी इसी सप्ताह में दो–तीन सड़क हादसे है ।वहीं मंगलवार को भी जाना बाजार के पास मिश्रहिया गांव के पास ऐसा मोड़ जहां पर प्रयागराज से आ रहे श्रद्धालुओं की वाहन पलट गई और आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी तरह इससे पहले गूगल मैप के सहारे प्रयागराज से रामनगरी आ रहे श्रद्धालु जब तारुन के समीप पहुंचे तभी उनकी गाड़ी एक घर में घुस गई और कई श्रद्धालु घायल हो गए ।वह भी इसी कारण हुआ कि यह मोड भी इसी 65 खतरनाक मोडो में शामिल है जो कि बहुत ही खतरनाक है। कुल मिलाकर सबसे अधिक इस समय सड़क हादसे रामनगरी से प्रयागराज को जाने वाली राजमार्ग पर हो रहे हैं वहीं अयोध्या जिले के थाना हैदरगंज क्षेत्र के हैदरगंज बाजार से तारुन बाजार के बीच में इसलिए हो रहे हैं क्योंकि ऐसे 65 खतरनाक मोड़ हैं जिसके चलते सड़क हादसे होने तय है।

महाकुंभ से अयोध्या आ रहे श्रद्धालुओं का वाहन पलटा, आधा दर्जन श्रद्धालु घायल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।महाकुंभ से स्नान कर अयोध्या लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक चार पहिया वाहन पलट गया। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल तथा 4 श्रद्धालुओं को हल्की–फुल्की चोटें आई हैं ।बताया जा रहा है कि झारखंड के श्रद्धालु वाराणसी में एक टैक्सी वैन बुक कर प्रयागराज पहुंचे। यहां से कुंभ स्नान करने के बाद अयोध्या दर्शन करने को आ रहे थे। बताते चले कि हैदरगंज थाना अंतर्गत जाना–हैदरगंज मार्ग पर मिश्रहिया मोड़ के पास मंगलवार की भोर 4रू00 बजे के करीब चार पहिया वाहन अनियंत्रित हो जाने से 5 फीट गड्ढे में जाकर पलट गया। जिसमें 68 वर्षीय गोड्डा गांव निवासी श्रीपति मंडल पुत्र कालीचरण व दीपाली कुमारी पुत्री संजय मंडल को गंभीर चोटे आई हैं ।चीख पुकार होने पर आसपास के ग्रामीणों ने दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर ।

अब हिंदी के साथ बुंदेली, अवधी, ब्रज व अंग्रेजी में भी सुनी जा सकेगी कार्यवाही, हुआ शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश की 18वीं विधानसभा अपने गठन के बाद से लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। इसी क्रम में बजट सत्र से पूर्व अनूठी पहल की गई। अब विधानसभा की कार्यवाही हिंदी के साथ अवधी, ब्रज, भोजपुरी, बुंदेली

बोली और अंग्रेजी भाषा में भी सुनी जा सकेगी। यह देश की किसी भी विधानसभा में अपनी तरह का पहला प्रयोग है। इसका उद्देश्य ग्रामीण अंचल के लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से और अधिक जोड़ना है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका सोमवार को उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से इस प्रक्रिया को भी समझा।सीएम ने विधानभवन के नए प्रवेशद्वार उद्घाटन और भित्ति चित्रों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर महाना ने कहा कि प्रदेश में अलग–अलग क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट बोलियां और भाषाएं हैं। ऐसे में जरूरी था कि प्रदेश की विधानसभा अपनी जनता से अधिक से अधिक जुड़ाव स्थापित करे। हिंदी हमारी राजभाषा है, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं को भी बढ़ावा देना जरूरी है। इससे न सिर्फ जनप्रतिनिधियों को अपनी मातृभाषा में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिलेगी, बल्कि आम नागरिक भी अपनी भाषा में विधानसभा की कार्यवाही सुन सकेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री के सहयोग और दिशा–निर्देश में यूपी विधानसभा जो प्रयास कर रही है, उसे पूरे देश की विधानसभाएं अपना रही हैं। यह पहल लोकतंत्र को और मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडेय और कांग्रेस नेता अराधना मिश्रा मोना भी शामिल हुईं। मिल्कीपुर की जीत और महाकुंभ के मुद्दों पर दें सकारात्मक जवाबः योगी विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष के हमले से निपटने को लेकर मुख्यमंत्री ने भी मंत्रियों के साथ ही भाजपा और सहयोगी दलों के विधायकों को पूरी तैयारी से सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। सीएम ने खास तौर से मिल्कीपुर की जीत और महाकुंभ से जुड़े मुद्दे उठने पर उसका सकारात्मक तरीके से जवाब देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को लोकभवन में भाजपा विधानमंडल दल की बैठक में विपक्ष को घेरने की रणनीति पर चर्चा की। मंत्रियों के अलावा भाजपा संगठन और सहयोगी दलों के विधायकों की मौजूदगी में सीएम ने मंत्रियों से कहा कि विपक्ष या सदन के सदस्य द्वारा यदि नियम–51 के तहत सवाल पूछे तो उसका संतोषजनक जवाब दें। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने भी मंत्रियों और विधायकों को विपक्ष के सवालों पर संयमित रहने और सदन की गरिमा के मुताबिक बोलने का सुझाव दिया। बैठक में भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल ने भाजपा और सहयोगी दल के सभी विधायकों को एकजुट होकर सदन में सरकार का पक्ष मजबूती से रखने का सुझाव दिया। बैठक में दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, सभी सभी मंत्रियों के साथ ही सभी सहयोगी दलों के विधायक भी मौजूद रहें।

मायावती के 'दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार और लालच' के बावजूद बसपा की 'राजनीतिक ताकत बरकरार' – उदित राज

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व सांसद उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उनके दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार और लालच के बावजूद उनकी राजनीतिक ताकत लंबे समय तक बरकरार रही। उन्होंने यह भी कहा कि मायावती ने सामाजिक आंदोलन का गला घोंट दिया है और अब मायावती का गला घोंटने का समय आ गया है। सोमवार को लखनऊ में पत्रकारों से उदित राज ने कहा, महाभारत के युद्ध के दौरान जब अर्जुन ने भगवान कृष्ण से पूछा कि वह अपने ही रिश्तेदारों को कैसे मारेंगे, तो भगवान कृष्ण ने कहा कि कोई रिश्तेदार नहीं होते और उन्हें (अर्जुन को) न्याय के लिए लड़ना है। आज मेरे कृष्ण ने मुझसे कहा है कि पहले अपने दुश्मन को मारो। सामाजिक न्याय की दुश्मन मायावती ने सामाजिक आंदोलन का गला घोंट दिया और अब उनका गला घोंटने का समय आ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि मुस्लिम समुदाय आज उसी दौर से गुजर रहा है, जिस दौर में कभी दलित बुरी स्थिति में थे। 1980 के दशक के बाद कांशीराम जी ने उत्तर प्रदेश में बहुजन जागृति की शुरुआत की, जो 2000 के दशक में अपने चरम पर पहुंच गई। भले ही आंदोलन की परिणति राजनीति में हुई, लेकिन सोच और आधार सामाजिक न्याय रहा है। अन्य राजनीतिक दल राजनीति से शुरू होते हैं और उसी पर खत्म होते हैं, लेकिन बहुजन समाज पार्टी के साथ ऐसा नहीं था। उन्होंने मायावती पर हमला करते हुए कहा कि मायावती की क्रूरता और अक्षमता के बावजूद कार्यकर्ता और मतदाता लड़ते रहे। कार्यकर्ताओं के घर बिक गए, उनके बच्चों को शिक्षा नहीं मिल सकी और उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया, फिर भी वे बहुजन राज लाने के लिए संघर्ष करते रहे। फुले, शाहू, अंबेडकर को मानने वाले लाखों कार्यकर्ता निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। कुछ ने अपने स्तर पर छोटे संगठन स्थापित किए हैं लेकिन उनकी सोच खत्म नहीं हुई है।

इस बार नए अधिनियम के तहत होंगी बोर्ड परीक्षाएं, सॉल्वर गैंग में शामिल होने पर आजीवन कारावास

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वालों पर इस बार से और सख्ती की जाएगी। परीक्षा में सॉल्वर गिरोह में पकड़े जाने पर आजीवन कारावास की सजा और एक करोड़ तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इतना ही नहीं परीक्षा को किसी भी तरह से प्रभावित करने या प्रयास करने पर भी 10 साल की सजा और 10 लाख का जुर्माना लगाया जाएगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ यूपी बोर्ड की तैयारियों की समीक्षा में यह निर्देश दिए। उन्होंने बोर्ड परीक्षा को लेकर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम के व्यापक प्रचार–प्रसार व इसके आधार पर सख्ती करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि नए प्रावधान में बोर्ड परीक्षा कार्य में लगा व्यक्ति अगर किसी तरह की लापरवाही या सौंपा गया काम नहीं करता है तो उस पर भी सात साल का कारावास व जुर्माना लगाया जाएगा। इतना ही नहीं परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पहले पेपर खोलने या किसी को इससे जुड़ी जानकारी देगा तो उसे दस साल की सजा व पांच लाख जुर्माने का प्रावधान है। इसी क्रम में परीक्षा ड्यूटी में न लगने वाले बाहरी व्यक्ति को परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने पर दस साल का कारावास व पांच लाख का जुर्माना और परीक्षा केंद्र से जुड़े व्यक्ति या कर्मचारी द्वारा परीक्षार्थी को अनुचित

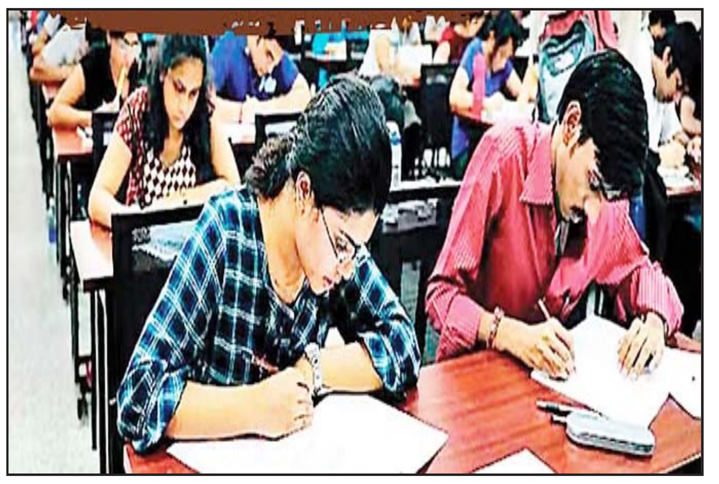

सहायता देने के प्रयास पर दस साल का कारावास व दस लाख जुर्माना लगाया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने में कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। परीक्षा के समय बसों का नियमित संचालन हो। परीक्षार्थियों को कहीं भी अनावश्यक रूप से न रोका जाए। परीक्षा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया जाए। प्रयागराज, अयोध्या, बनारस के परीक्षा केंद्रों के पास पुलिस द्वारा अनावश्यक एनाउन्समेंट न किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के दृष्टिगत परीक्षा केन्द्रों के स्ट्रांग रूम का टीम बनाकर आकस्मिक निरीक्षण भी कराया जाये। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 24 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा प्रदेश में 8140 परीक्षा केन्द्रों पर होगी। परीक्षा में 27,32,216 हाईस्कूल व 27,05,017 इंटर कुल 54,37,233 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बैठक में महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा, माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव, माध्यमिक शिक्षा परिषद सचिव भगवती सिंह आदि अधिकारी उपस्थित थे।

यह भी दिए निर्देश

1. परीक्षा के मद्देनजर नकल माफियाओं और असामाजिक तत्वों की निगरानी रखें और गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें।

2. परीक्षा में बाधक बनने वालों के खिलाफ संज्ञेय अपराध के तहत कार्यवाही की जाए।

3. परीक्षा के पहले केन्दों का शत–प्रतिशत निरीक्षण करके यह सुनिश्चित करें कि सभी केन्द्रों पर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

4. स्ट्रांग रूम की 24 घंटे सीसीटीवी से ऑनलाइन निगरानी करें। इनकी सुरक्षा के लिये सशस्त्र बल तैनात किया जाए।

17 जिलों पर एसटीएफ–एलआईयू की विशेष निगरानी

मुख्य सचिव ने कहा कि 17 जिलों आगरा, मथुरा, बागपत, अलीगढ़, मैनपुरी, एटा, हरदोई, आजमगढ़, बलिया, मऊ, प्रयागराज, कौशांबी, चंदौली, जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया व गोंडा को अति संवेदनशील घोषित किया गया है। यहां विशेष सतर्कता बरती जाए। एसटीएफ और एलआईयू इन केन्द्रों की विशेष निगरानी करें। परीक्षा में नकल की कोई गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने पर कड़ी कार्रवाई

मुख्य सचिव ने कहा कि पेपर के गलत तरीके से प्रकाशन व सोशल मीडिया आदि पर अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। परीक्षा समाप्त होने के बाद उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षा केन्द्रों से संकलन केन्द्रों को अनिवार्य रूप से पुलिस अभिरक्षा में ही भेजा जाए। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों के चारों तरफ साफ–सफाई, प्राथमिक उपचार आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिये।

पेपर में भी की गई केंद्रवार कोडिंग

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार ने बताया कि परीक्षाओं को नकलविहीन और निष्पक्षता के साथ सुनिश्चित कराने के लिए नई व्यवस्थाएं की गई हैं। इसमें सभी जिलों व परीक्षा केन्द्रों पर मुख्य विषय के लिये पेपर के अतिरिक्त आरक्षित सेट, पेपरों में केन्द्रवार कोडिंग, परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण संबंधी आपत्तियां, शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराने की व्यवस्था शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर काम कर रहे मजदूरों को इनोवा कार ने रौंदा दो महिला मजदूरों की मौत एक गंभीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एनएचआई 731 पर सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव के पास बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा हुआ है। वाराणसी की तरफ से आ रही तेज रफ्तार इनोवा कार ने हाईवे किनारे खाना बना रही तीन महिला मजदूरों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो महिला मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद एक मजदूर ने बताया कि महिलाएं हाईवे के किनारे खाना

बना रही थीं और काम भी कर रही थीं। इसी दौरान वाराणसी की तरफ से आई तेज रफ्तार इनोवा ने उन्हें रौंद दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यातायात सुचारू रखने के लिए पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हाईवे से हटवा दिया है। इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञानमे शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके से गाड़ी को कब्जे में ले लिया गया है चालक फरार है गाड़ी किसकी है इसकी जानकारी की जा रही है।

जहां रहता था कूड़ा, वहां अब स्केटिंग कोर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजभवन परिसर के अंदर गेट नंबर 14 पर पहले जहां पर कूड़ा पड़ाव घर बना था, अब वहां पर स्केटिंग कोर्ट बन गया है। स्वच्छता को बढ़ावा देने की पहल पर यह काम हुआ है। सोमवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने इसका लोकार्पण किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा और महापौर सुषमा खर्कवाल प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। महापौर ने बताया कि शहर के अन्य कूड़ा घरों का भी इसी तरह कायाकल्प करने की योजना है, क्योंकि शहर को सिर्फ स्वच्छ ही नहीं बनाना है, बल्कि शहर के हर कोने में सुंदरता और खेलकूद के अवसर भी प्रदान करना है।

वृंदावन कॉलोनी में बिल्डर ने काटे हरे पेड़

लखनऊ, (संवाददाता)। बिल्डर हरियाली पर लगातार आरा चलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। वृंदावन कॉलोनी में बिल्डर ने हरे पेड़ों को कटवा दिया। निवासियों ने विरोध कर कार्रवाई की मांग की है। निवासियों की मानें तो काटे कए पेड़ दो से अधिक है। हरे पेड़ लगे होने से कॉलोनी में हरियाली भी दिखती थी। इसके बावजूद निजी फायदे के चलते बिल्डर ने पेड़ों को कटवा दिया। इससे रोष व्याप्त है। डीएफओ सुतांशु पांडेय ने बताया कि जानकारी कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएफओ ने मौके पर जांच के लिए टीम भेजने की बात कही है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए निकाली रैली, दिया संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइन्स (आईआईआईडी) की ओर से सोमवार को ईवी कार रैली निकाली गई। रैली की थीम पर्यावरण, प्रदूषण और स्थिरता थी, जिसके अंतर्गत लोगों को पर्यावरण की रक्षा करने और प्रदूषण न फैलाने के लिए जागरूक किया गया। रैली में शहर के आर्किटेक्चर कॉलेजों में एमिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, बीबीडी, इंटीग्रल विवि और आईटीएम संस्थान के छात्र शामिल रहे। इस मौके पर आईआईआईडी के चेयरपर्सन प्रसन्नजीत सान्याल, अविरल अग्रवाल, रोहित गुप्ता, नीरज कुशवाहा उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। भद्दीखेड़ा गांव के पास रहने वाली पूनम यादव (27) का शव सोमवार को मकान में संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतका के पति राजेश यादव के अनुसार पहली पत्नी आजमगढ़ निवासी सरोज से उन्हें एक बेटा व दो बेटियां हैं। उन्होंने पहली पत्नी को छोड़कर 2019 में पूनम से प्रेम विवाह किया था। इस पर परिजनों ने उनको घर से निकाल दिया था। तब से पूनम व पांच वर्षीय बेटी रितिका के साथ गांव के पास रह रहे थे। राजेश ने बताया कि सोमवार सुबह किसी बात पर पत्नी से विवाद हो गया था। इस पर वह बाहर चले गए थे। कुछ देर बाद जब उन्होंने पत्नी को कॉल की तो जवाब नहीं मिला। घर पहुंचे तो उन्हें आंगन में रस्सी के सहारे पूनम लटकी मिलीं। बेटी के ट्यूटर ने रस्सी काटकर शव नीचे उतारा। राजेश ने घटना की सूचना कई घंटे के बाद पुलिस को दी। थानाध्यक्ष अनुज तिवारी के मुताबिक घटना की जानकारी पूनम के मायके वालों को दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गोसाईंगंज। रसूलपुर आशिक अली गांव निवासी आंगनबाड़ी सहायिका प्रकाशिनी देवी (38) ने सोमवार शाम पारिवारिक कलह के चलते फंदा लगा लिया। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि किराना दुकानदार कौशल किशोर की पत्नी प्रकाशिनी देवी गांव के ही आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत थीं। सोमवार सुबह वह बच्चों को बुलाने गई थीं। केंद्र बंद होने के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचीं तो परिजन खोजते हुए पुराने घर पर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो उनका शव फंदे से लटका मिला। इंस्पेक्टर ने बताया कि पति–पत्नी में कहासुनी हो गई थी। मृतका के परिवार में तीन बेटियां व एक बेटा है। वहीं, गांव में चर्चा है कि इससे पहले प्रकाशिनी ने ट्रेन से कटकर जाने देने की कोशिश की थी।

फैशन डिजाइन, ड्रेस मेकिंग ही नहीं, तकनीक कोर्स में भी बढ़ रही छात्राओं की रुचि

लखनऊ, (संवाददाता)। राजकीय आईटीआई से जुड़े तकनीक कोर्स में साल दर साल प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या में इजाफा हो रहा है। अभी तक फैशन डिजाइन (सिलाई–कढ़ाई) और ड्रेस मेकिंग में ही ज्यादातर छात्राएं प्रवेश लेती थीं। पिछले तीन वर्षों में इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिकल, सिविल और आईटी पाठ्यक्रमों में भी छात्राओं की भागीदारी बढ़ी है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अनुसार, आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रति वर्ष 2000 से 2500 छात्राओं का इजाफा हो रहा है। इनमें आधुनिक तकनीक से जुड़े कोर्स भी हैं, जिनमें छात्रों की संख्या ज्यादा रहती थी। पिछले कुछ वर्षों में छात्राओं ने भी इनमें प्रवेश लेने में रुचि दिखाई है। परिषद के संयुक्त निदेशक अनिल वर्मा ने बताया कि टाटा मोटर्स, मारूति सुजुकी व अन्य निजी संस्थानों के सहयोग से आईटीआई में विभिन्न कोर्स संचालित हुए हैं। सरकार की पहल पर प्रत्येक कोर्स में 30 फीसदी सीटों पर छात्राओं का प्रवेश जरूरी है। इसके साथ राजकीय आईटीआई में भी छात्राओं के लिए स्पेशल कोर्स शुरू हुए हैं।

ट्रेन से कर रहा था चरस की तस्करी, गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। एसटीएफ ने सोमवार को चारबाग रेलवे स्टेशन से 11 किलो चरस के साथ बिहार के सिवान निवासी तस्कर राजेश कुमार शाह को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुजफ्फरपुर–सूरत एक्सप्रेस से वडोदरा जा रहा था। आरोपी ने कपड़ों के बीच ट्रॉली बैग में चरस छिपाकर रखी थी। एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय स्तर के तस्करों के बारे में सूचना मिल रही थी। इसके बाद एक टीम गठित की गई थी। मुखबिर ने बिहार से सूरत जाने वाली ट्रेन में तस्कर के होने की सूचना दी थी।

144 साल बाद महाकुंभ का जिक्र शास्त्रों में कहीं नहीं है... आस्था से खिलवाड़ कर रही भाजपा – शिवपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी विधानसभा सभा का बजट सत्र सोमवार से प्रारंभ हो गया है। सत्र के पहले ही दिन सपा ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि महाकुंभ के नाम पर भाजपा ने लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। शास्त्रों में 144 साल बाद महाकुंभ का कहीं भी जिक्र नहीं किया गया है। ये लोग सनातन धर्म का दिखावा करके लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। सरकारी पैसे का दुरुपयोग पीआर के लिए किया गया है। ऐसी सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं, बजट सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सत्र के प्रारंभ अपने अभिभाषण को पूरा नहीं पढ़ सकीं। उनके अभिभाषण के दौरान विपक्ष के लोग राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगाते रहे। सत्ता पक्ष ने विपक्ष के इस व्यवहार की निंदा की। यूपी के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्ष का रवैया बहुत ही गैर–जिम्मेदाराना है। इनका काम विरोध करना है, ये हर बात में नेगेटिव सोचते हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विपक्ष का आचरण गैर–जिम्मेदाराना है। राज्यपाल के अभिभाषण के माध्यम से प्रदेश में जो सरकार काम कर रही है उसकी जानकारी दी जाती है। समाजवादी पार्टी का आचरण सदा ऐसा ही रहा है कि वे महामहिम राज्यपाल का आदर करने के बजाय हल्लाबोल करते हैं... समाजवादी पार्टी ने यह दिखा दिया कि वे एक जिम्मेदार राजनीतिक दल कम और अराजकता फैलाने वाला दल ज्यादा है।

तीन साल की मासूम के साथ दुष्कर्म के 15 साल के दोषी को अदालत ने माना वयस्क, 20 साल की सजा

लखनऊ, (संवाददाता)। तीन साल की अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म के दोषी 15 साल के शुभम रावत को लखनऊ की पॉक्सो अदालत ने वयस्क मानते हुए उसके खिलाफ 20 साल की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जिसे पीड़िता को दिया जाएगा। जुर्माना न देने पर दोषी को तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पॉक्सो अदालत के विशेष न्यायाधीश विजेन्द्र त्रिपाठी ने शुभम रावत के मामले में सोमवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने लखनऊ के मोहन रोड स्थित किशोर न्याय बोर्ड के निर्णय का संज्ञान लेते हुए। दोषी को कठोरतम सजा सुनाई। अपराध करते समय शुभम की आयु 15 साल थी।

सीसीटीवी की निगरानी में शुरू हुई मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। मदरसा बोर्ड की मुंशीध्मौलवी (सेकेंडरी), आलिम (सीनियर सेकेंडरी) की परीक्षाएं सोमवार को सीसीटीवी की निगरानी में शुरू हो गईं। पहले दिन की परीक्षा में 15035 विद्यार्थी गैरहाजिर रहे। मदरसा बोर्ड की परीक्षा में प्रदेश भर से करीब 88082 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया है। इसके लिए बोर्ड ने 71 जिलों में 434 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। परीक्षाओं को नकलविहीन और सुगम बनाने के लिए मदरसा बोर्ड ने सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं हैं। इनमें से 150 परीक्षा केंद्रों को वेबकॉस्टिंग के जरिये कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है। इंदिरा भवन स्थित अल्पसंख्यक कल्याण निदेशालय सभागार में बने कंट्रोल रूम से अल्पसंख्यक कल्याण निदेशक अंकित कुमार अग्रवाल और बोर्ड के रजिस्ट्रार आरपी सिंह ने व्यवस्था की निगरानी की और मदरसों का निरीक्षण भी किया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोन कुमार ने इरम गर्ल्स डिग्री कालेज इंदिरानगर और मदरसा दारुल उलूम वारसिया, गोमतीनगर का निरीक्षण किया। अल्पसंख्यक कल्याण उप निदेशक एसपी तिवारी ने सीतापुर और राहुल गुप्ता ने लखनऊ के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। महाकुंभ की वजह से मदरसा बोर्ड ने प्रयागराज में परीक्षार्थियों को नियमों में ढील दी है। बोर्ड ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को परीक्षा केंद्र में देर से पहुंचने पर भी विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल करने और असुविधा होने पर उनके निकट के परीक्षा केंद्र में परीक्षा दिलाने के लिए अधिकृत किया है। गोरखपुर के मदरसा दारुल उलूम हुसैनिया इमामबाड़ा के दृष्टिबाधित छात्र तुफैल अहमद के लिए मदरसा अंजुमन इस्लामिया परीक्षा केंद्र पर सहयोगी की व्यवस्था की गई।

बोर्ड परीक्षा सिर पर, केंद्र में मिली खामी, व्यवस्थापक को फटकार

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा शुरू होने में छह दिन शेष हैं, लेकिन केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापकों की खामियां दूर नहीं हुई हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने सोमवार को आधा दर्जन परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान नरपतखेड़ा स्थित बैजनाथ इंटर कॉलेज में सीसी कैमरे की व्यवस्था नहीं मिली तो डीआईओएस ने व्यवस्थापक को फटकार लगाई। मौके पर प्रश्नपत्र रखने के लिए अलमारी भी नहीं पाई गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।